DIGITAL ADVERTISEMENT
Rs. 499/- PER MONTH
We promote your BUSINESS
Call/Whatsapp: 7789951009
TARGETED REACH | BUSINESS GROWTH | MORE CUSTOMERS | BETTER RESULTS

QKePaper.com
Free Online Daily Newspaper
अ A ह अ ठ ৯ म ও प श ৯
वर्ष-02 अंक-27 बुधवार 22.07.2026 FREE EPAPER

पीएम आवास के बाहर राहुल गांधी का प्रदर्शन, छात्रों के मुद्दे पर केंद्र सरकार से जवाब की मांग

नई दिल्ली
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कांग्रेस सांसदों और विपक्षी नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास के बाहर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन हाल के छात्र आंदोलनों, परीक्षा प्रणाली से जुड़े विवादों और पुलिस कार्रवाई के विरोध में आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की चिंताओं पर चर्चा से बच रही है और लोकतांत्रिक तरीके से उठाई जा रही आवाजों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि देश के लाखों छात्र परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी बात सुनने के बजाय विरोध प्रदर्शनों को रोकने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि संसद और लोकतांत्रिक संस्थाओं का उद्देश्य जनता के मुद्दों पर चर्चा करना है, लेकिन जब विपक्ष की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो लोकतांत्रिक विरोध का रास्ता अपनाना पड़ता है।

कांग्रेस के कई सांसद और विपक्षी दलों के नेता भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को निर्धारित क्षेत्र से आगे बढ़ने से रोक दिया। बाद में राहुल गांधी सहित कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। कुछ समय बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

राहुल गांधी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था और इसका उद्देश्य केवल सरकार से जवाब मांगना था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर बहस कराने के बजाय विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि छात्रों से जुड़े मामलों पर सरकार को संसद और जनता के सामने स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

इस विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी की बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी मौजूद रहीं। कांग्रेस नेताओं ने छात्रों के साथ एकजुटता जताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करना विपक्ष की जिम्मेदारी है। पार्टी ने पुलिस कार्रवाई की भी आलोचना की और इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया।

दूसरी ओर, सरकार की ओर से विपक्ष के आरोपों को खारिज किया गया। सरकारी पक्ष का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है और प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन आवश्यक है। सरकार ने यह भी कहा कि परीक्षा संबंधी मामलों में पहले ही

आवश्यक कदम उठाए जा चुके हैं और संबंधित एजेंसियां जांच कर रही हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम आने वाले दिनों में संसद और राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा का प्रमुख विषय बन सकता है। विपक्ष इस मुद्दे को छात्रों और युवाओं से जोड़कर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है, जबकि सत्तापक्ष अपने कदमों को कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक बता रहा है। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में दोहराया कि कांग्रेस छात्रों, युवाओं और आम नागरिकों से जुड़े मुद्दों को संसद से लेकर सड़क तक उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता और विपक्ष जनता के हितों के लिए संघर्ष जारी रखेगा। वहीं, कांग्रेस ने संकेत दिया है कि यदि छात्रों से जुड़े मुद्दों पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में भी विरोध कार्यक्रम जारी रह सकते हैं।

'माझे माहेर पंढरी' अभंग का मराठवाड़ा से गहरा नाता, आषाढ़ी एकादशी पर जानिए इसका इतिहास

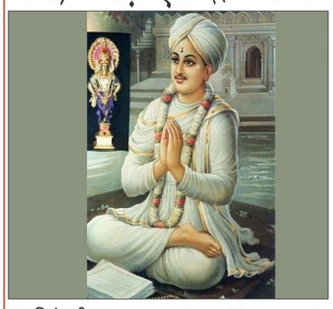

छत्रपति संभाजीनगर
आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर लाखों वारकरी भगवान विठ्ठल के दर्शन के लिए पंढरपुर पहुंचते हैं। इस दौरान संतों के अभंगों की गूंज पूरे महाराष्ट्र में सुनाई देती है। इन्हीं में सबसे लोकप्रिय अभंग "माझे माहेर पंढरी, आहे भीवरेच्या तीरी" है, जिसे हर वारकरी श्रद्धा से गाता है। बहुत कम लोग जानते हैं कि इस प्रसिद्ध अभंग का मराठवाड़ा से गहरा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध है। यह अभंग संत परंपरा और मराठवाड़ा की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार यह अभंग संत एकनाथ की परंपरा से जुड़ा माना जाता है। संत एकनाथ की कर्मभूमि पैठण (जिला छत्रपति संभाजीनगर) रही है, जहां से वारकरी संप्रदाय को नई दिशा मिली। संतों की भक्ति, समता और मानवता का संदेश मराठवाड़ा से पूरे महाराष्ट्र में फैला। यही कारण है कि पंढरपुर की वारी में आज भी मराठवाड़ा से हजारों श्रद्धालु पैदल शामिल होते हैं और "माझे माहेर पंढरी" जैसे अभंग गाते हुए विठ्ठल नाम का जाप करते हैं। अभंग में पंढरपुर को भक्त का "माहेर" अर्थात मायका बताया गया है। इसका भाव यह है कि जैसे बेटी अपने मायके में अपनापन और स्नेह महसूस करती है, उसी प्रकार भक्त भगवान विठ्ठल की नगरी पंढरपुर में आत्मिक शांति और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव करता है। भीमा नदी, जिसे चंद्रभागा भी कहा जाता है, के तट पर स्थित पंढरपुर वारकरी संप्रदाय की सबसे बड़ी आस्था का केंद्र है।

आषाढ़ी एकादशी को देवशयनी एकादशी भी कहा जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु के चातुर्मास आरंभ होने की मान्यता है। महाराष्ट्र की प्रसिद्ध पंढरपुर वारी इसी दिन अपने चरम पर पहुंचती है, जिसमें संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम, संत नामदेव और संत एकनाथ की पालखियां पंढरपुर पहुंचती हैं। लाखों वारकरी टाल-मृदंग की धुन पर अभंग गाते हुए विठ्ठल-रुक्मिणी के दर्शन करते हैं। धार्मिक जानकारों का मानना है कि "माझे माहेर पंढरी" केवल एक अभंग नहीं, बल्कि वारकरी परंपरा की भावनात्मक पहचान है। यह अभंग मराठवाड़ा की संत परंपरा, भक्ति आंदोलन और पंढरपुर के प्रति अटूट श्रद्धा का जीवंत प्रतीक बन चुका है। आज भी वारी के दौरान यह अभंग श्रद्धालुओं के बीच समान उत्साह और भक्ति के साथ गूंजता है तथा पीढ़ी-दर-पीढ़ी महाराष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ा रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

अतिरिक्त लोडशेड्डिंग बंद करने की मांग को लेकर महावितरण कार्यालय पर किसानों का धरना

हिंगोली: हिंगोली जिले में लगातार हो रही अतिरिक्त बिजली कटौती से परेशान किसानों ने सोमवार को महावितरण कार्यालय के बाहर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि निर्धारित समय से अधिक बिजली कटौती किए जाने के कारण खेतों की सिंचाई प्रभावित हो रही है और खरीफ फसलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। आंदोलनकारियों ने तत्काल अतिरिक्त लोडशेडिंग बंद करने और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में हिंगोली और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के किसान शामिल हुए। किसानों का कहना था कि पहले से घोषित समय के अलावा कई घंटों तक अतिरिक्त बिजली कटौती की जा रही है, जिससे कृषि पंप बंद पड़े हैं। समय पर सिंचाई नहीं होने से सोयाबीन, कपास, हल्दी और अन्य खरीफ फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बार-बार शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया।

धरने के दौरान किसानों ने महावितरण अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर अतिरिक्त भारनियमन तत्काल बंद करने, कृषि फीडरों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति देने तथा खराब ट्रांसफॉर्मरों को शीघ्र बदलने की मांग की। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो भविष्य में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

महावितरण अधिकारियों ने किसानों से चर्चा करते हुए उनकी शिकायतें सुनीं और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी कारणों और विद्युत भार प्रबंधन के चलते कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है, लेकिन स्थिति सामान्य बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में कृषि फीडरों के लिए समयबद्ध बिजली आपूर्ति संबंधी दिशा-निर्देश पहले से लागू हैं और आवश्यकतानुसार उनमें सुधार किया जाता है।

> "मैं हर उस देशभक्त भारतीय से अपील करता हूं जो मानता है कि हमारे छात्रों को न्याय मिलना चाहिए
> **प्रधानमंत्री आवास के सामने हमारे धरने में शामिल हों**
> नेता विपक्ष श्री राहुल गांधी

लातूर जिला बैंक में कभी नहीं हुई दलगत राजनीति, किसानों की सेवा ही रही प्राथमिकता : सहकार मंत्री बाबासाहेब पाटील

लातूर
महाराष्ट्र के सहकार मंत्री बाबासाहेब पाटील ने कहा कि लातूर जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक में कभी भी दलगत राजनीति को स्थान नहीं दिया गया। बैंक का उद्देश्य हमेशा किसानों, विद्यार्थियों और उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना रहा है और इसी नीति के कारण बैंक ने निरंतर प्रगति की है। उन्होंने यह बात अहमदपुर के शिरूर ताजबंद में जिला बैंक की नई शाखा भवन के भूमिपूजन समारोह के दौरान कही।

सहकार मंत्री ने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत भी सहकारी संस्थाओं से हुई थी। उन्होंने बताया कि जब वे पहली बार जिला बैंक के संचालक बने थे, तब बैंक की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। पूर्व नेता दिलीपराव देशमुख के सहयोग से विशेष वसूली अभियान चलाकर बैंक को दोबारा मजबूत बनाया गया। आज आधुनिक तकनीक के उपयोग और पारदर्शी प्रशासन के कारण बैंक लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 जैसे कठिन दौर में भी बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सराहनीय कार्य किया। बैंक ने किसानों, विद्यार्थियों और छोटे उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण उपलब्ध

कराकर उनके आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार अब ऐसे किसानों तक भी ऋण सुविधा पहुंचाने का प्रयास कर रही है जिनके पास केवल दस गुंठे भूमि है। साथ ही उन्होंने किसानों को खेती के साथ दुग्ध व्यवसाय जैसे पूरक व्यवसाय अपनाने की भी सलाह दी।

महाराष्ट्र में फिर तेज होगा मानसून, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

मुंबई
महाराष्ट्र में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने आगामी दिनों में मुंबई, पुणे, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सतारा, कोल्हापुर तथा कोंकण और घाट क्षेत्रों सहित राज्य के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से अपेक्षाकृत कमजोर पड़ी मानसूनी गतिविधियों अब फिर से तेज हो रही हैं, जिसके कारण राज्य के कई जिलों में लगातार बारिश का दौर देखने को मिल सकता है।

मौसम विभाग ने बताया कि अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी के कारण वर्षा की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। लगातार बारिश से निचले इलाकों में जलभराव, छोटे नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने तथा पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन जैसी घटनाओं का खतरा भी बढ़ सकता है। विशेष रूप से घाट क्षेत्रों और कोंकण के जिलों में प्रशासन को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन टीमों, नगर निकायों और राहत एजेंसियों को अलर्ट पर रखा है। जलनिकासी व्यवस्था की निगरानी तेज कर दी गई है और संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यक उपकरण एवं बचाव दल तैनात किए जा रहे हैं। यदि कहीं अधिक वर्षा होती है तो प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तत्काल शुरू किए जाएंगे।

IMD ने नागरिकों से अपील की है कि वे मौसम विभाग द्वारा जारी ताज़ा अपडेट पर नजर रखें और अनावश्यक यात्रा से बचें। लोगों को नदी-नालों, जलभराव वाले इलाकों

और पहाड़ी क्षेत्रों में जाने से परहेज करने की सलाह दी गई है। तेज बारिश के दौरान बिजली गिरने और तेज हवाओं की संभावना को देखते हुए खुले स्थानों पर सावधानी बरतने को भी कहा गया है। मछुआरों को समुद्र में न जाने और पहले से समुद्र में मौजूद नौकाओं को सुरक्षित स्थानों पर लौट आने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बारिश से राज्य के जलाशयों में जलस्तर बढ़ने और खरीफ फसलों को लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि, लगातार और अत्यधिक वर्षा से शहरी क्षेत्रों में यातायात, जनजीवन और दैनिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि अगले कुछ दिनों तक महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में मानसून पूरी तरह सक्रिय रहेगा और कई जिलों में रुक-रुक कर तेज बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

परली में मानव पैर मिलने से सनसनी, शक्तिकुंज कॉलोनी के पास पुलिस जांच तेज

बीड
बीड जिले के परली वैजनाथ शहर की शक्तिकुंज कॉलोनी के समीप एक मानव का कटा हुआ पैर मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने झाड़ियों के पास मानव अंग देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य एकत्र कर जांच शुरू कर दी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को घटनास्थल से केवल मानव का एक पैर मिला है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र की गहन तलाशी शुरू कर दी है ताकि शरीर के अन्य हिस्सों या घटना से जुड़े कोई अतिरिक्त साक्ष्य मिल सकें। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके से नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बरामद मानव अंग को पोस्टमार्टम और डीएनए परीक्षण के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया है।

सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके के समर्थन में नांदेड़ में सत्याग्रह, शिक्षा सुधार की उठी मांग

नांदेड़
शिक्षा व्यवस्था में सुधार और छात्र हितों की मांग को लेकर देशभर में चल रहे आंदोलन के समर्थन में सोमवार को नांदेड़ में सामाजिक कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों और विभिन्न संगठनों ने सत्याग्रह किया। आंदोलनकारियों ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके के समर्थन में एकत्र होकर केंद्र सरकार से शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार और छात्रों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन ने देशभर में समर्थन हासिल किया है। सत्याग्रह के दौरान प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से धरना दिया और शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं पर रोक तथा युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। वक्ताओं ने कहा कि छात्रों के हितों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता और जवाबदेही आवश्यक है तथा सरकार को संवाद के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सोनम वांगचुक का आंदोलन केवल किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि देशभर के विद्यार्थियों और युवाओं की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने अभिजीत दीपके द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन के प्रति भी एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। हालिया घटनाओं के बाद भी आंदोलन जारी है और दोनों नेताओं ने अपनी मांगों पर कायम रहने की बात कही है। सत्याग्रह में शामिल लोगों ने केंद्र सरकार से शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने तथा छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि युवाओं का विश्वास बनाए रखने के लिए निष्पक्ष और जवाबदेह व्यवस्था आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना सत्याग्रह समाप्त किया और चेतावनी दी कि यदि छात्रों की मांगों पर समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने शिक्षा सुधार के समर्थन में एकजुटता का संदेश दिया।

परभणी-हिंगोली जिला बैंक चुनाव में राजू नवघरे पैनल की लगातार दूसरी बड़ी जीत

परभणी
परभणी-हिंगोली जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के चुनाव में वरिष्ठ सहकार नेता राजू नवघरे के नेतृत्व वाले पैनल ने लगातार दूसरी बार शानदार जीत दर्ज की है। नवघरे पैनल ने कुल 58 सीटों पर विजय हासिल कर जिले के सहकारी क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखा। चुनाव परिणाम के बाद वसमत सहित विभिन्न क्षेत्रों में समर्थकों ने आतिशबाजी, गुलाल उड़ाकर और मिठाइयां बांटकर जीत का जश्न मनाया।

मतगणना के शुरुआती दौर से ही नवघरे पैनल ने बढ़त बना ली थी, जो अंत तक बरकरार रही। परिणाम घोषित होते ही कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में समर्थक विजय रैली में शामिल हुए और पैनल के नेताओं का फूल-मालाओं से स्वागत किया।

जीत के बाद राजू नवघरे ने इसे किसानों, बैंक के सदस्यों और कार्यकर्ताओं के विश्वास की जीत बताया। उन्होंने कहा कि जिला बैंक के माध्यम से किसानों, सहकारी संस्थाओं और आम नागरिकों को अधिक पारदर्शी तथा बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। साथ ही बैंक को आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस परिणाम से परभणी-

हिंगोली के सहकारी क्षेत्र में राजू नवघरे का नेतृत्व एक बार फिर मजबूत हुआ है। लगातार दूसरी जीत ने उनके पैनल की संगठनात्मक क्षमता और सहकारी संस्थाओं में प्रभाव को भी साबित किया है।

अब जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव पर सभी की नजरें टिकी हैं। सहकार और राजनीतिक हलकों में नए नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि बैंक का नया संचालक मंडल किसानों के हितों, ग्रामीण विकास और सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण फैसले लेगा।

लाल सेना कार्यकर्ता गणपत भिसे की कार में तोड़फोड़, परभणी में तनाव का माहौल

परभणी
परभणी जिले में लाल सेना के कार्यकर्ता गणपत भिसे की कार में अज्ञात लोगों द्वारा तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहन को पंचनामा कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गणपत भिसे की कार उनके निवास के बाहर या पार्किंग

स्थल पर खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात व्यक्तियों ने वाहन के शीशे और अन्य हिस्सों को नुकसान पहुंचाया। घटना का पता चलने पर स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई। प्रारंभिक जांच में यह मामला जानबूझकर की गई तोड़फोड़ का प्रतीत हो रहा है। गणपत भिसे और उनके समर्थकों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यह घटना केवल निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का प्रयास भी हो सकती है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के साथ-साथ सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही तोड़फोड़ के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।